



भूलेख - खतीनी
राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश

उद्धरण खतीनी (अप्रमाणित प्रति)

04/May/2025 01:13:37 PM

← Back

जनपद: अमरेठकरनागर

ग्राम कोड: 168250

तहसील: अकबरपुर

फसली वर्ष: 1425-1430 (01 जुलाई, 2017 से 30 जून, 2023)

ग्राम: हाजीपुर मरूई

खाता संख्या: 00094

श्रेणी : 1-क/भूमि जो संक्रमणीय भूमिधरो के अधिकार में हो।

खातेदार का विवरण

खातेदारी प्रारम्भ होने का विवरण

भूमि का विवरण

खातेदार का अंश

खसरा/गाटा संख्या	(2) नाम/पिता-पति-संरक्षक-प्रबंधक का नाम / जाति कोड / आधार नं० (अन्तिम चार अंक) अधवा पैन नं० (6-9 स्थान के अंक) / पता / जन्मतिथि (अवयस्क हेतु)	(3) न्यायालय का नाम / कम्प्यूटरीकृत वाद संख्या अधवा आदेश संख्या / आदेश का दिनांक / जोत का आधार	(4) वर्ष	(5) गाटा (यूनीक कोड)	(6) गाटे का कुल क्षेत्रफल(हे०)	(7) हिस्से में	(8) क्षेत्रफल में(हे०)	(9) खातेदार द्वारा देय भू राजस्व
------------------	---	--	----------	----------------------	--------------------------------	----------------	------------------------	----------------------------------

398ख 1) मोहम्मदअमीन, / जमीन / नि. ग्राम

2) रसीदअहमद / रोबू / नि. ग्राम

3) वकीलअहमद / जलील / नि. ग्राम

4) रईसअहमद / जलील / नि. ग्राम

5) आयु 14.12वर्ष सं०मुनिशां माता / जलील / नि. ग्राम

6) श्रीमती निशां स्व / जलील / नि. ग्राम

7) सकीलअहमद / जलील / नि. ग्राम

8) सईदअहमद ना०बा० / जलील / नि. ग्राम

1384फ०

398ख (1682500398200112)

0.0630

1.40

कुल गाटे: एक

कुल क्षेत्रफल: शून्य दशमलव शून्य छह तीन शून्य (हेक्टेयर)

कुल भू-राजस्व: एक दशमलव चार शून्य रुपये



भूलेख - खतौनी
राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश

उद्धरण खतौनी (अप्रमाणित प्रति)

04/May/2025 01:25:43 PM

←
Back

जनपद: आम्बेडकरनगर

तहसील: अकबरपुर

ग्राम: हाजीपुर मरूई

ग्राम कोड: 168250

फसली वर्ष: 1425-1430 (01 जुलाई, 2017 से 30 जून, 2023)

खाता संख्या: 00236

श्रेणी: 6-1/अकृषिक भूमि - जलमय भूमि।

खातेदार का विवरण	खातेदारी प्रारम्भ होने का विवरण	भूमि का विवरण	खातेदार का अंश
खसरा/गाटा संख्या (2) नाम/पिता-पति-संरक्षक-प्रबंधक का नाम / जाति कोड / आधार नं0 (अन्तिम चार अंक) अथवा पैन नं0 (6-9 स्थान के अंक) / पता / जन्मतिथि (अवयस्क हेतु)	(3) न्यायालय का नाम / वर्ष (4) कम्प्यूटरीकृत वाद संख्या अथवा आदेश संख्या / आदेश का दिनांक / जोत का आधार	(5) गाटा (पूनीक कोड) कृपया उक्त खसरे की प्रस्थिति (भूखंड (गाटा) के वाद ग्रस्त /विक्रय /भू-नक्शा /नामांतरण बही) हेतु खसरा संख्या पर ब्स्तिक करें।	(6) गाटे का कुल क्षेत्रफल(हे०) (7) हिस्से में (8) क्षेत्रफल में(हे०) (9) खातेदार द्वारा देय भू-राजस्व
398ख. 1) तालाब / नि. ग्राम	398ख. 0.0630 1) 1/1 1) 0.0630 0.00	(1682500398200461)	

कुल गाटे: कुल क्षेत्रफल: शून्य दशमलव शून्य छह तीन शून्य एक (हैक्टेयर)

कुल भू-राजस्व: शून्य दशमलव शून्य रूपये

कुल अंश का क्षेत्रफल: शून्य दशमलव शून्य छह तीन शून्य एक (हैक्टेयर)

[illegible][illegible]

[illegible]

22-34-2521 (2) 409141 ✓
3162-2521 (2) 409141 ✓

31-1023

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

प्रारंभिक

(Page 3) 44

636.

ग्राहक सेवा

[illegible][illegible]

१५५३॥
 ७५।
 १०५३।
 नकल नैयासकता के द्वारा नकल
 नकल नकल के द्वारा नकल
 १०५३

शुद्ध द्वा.अ.॥

प्रार्थना-पत्र देन की तिथि
प्रार्थना-पत्र देन की तिथि
नैयारी की तिथि
दिवस की तिथि
मुख्य टिकट
प्रार्थना-पत्र देन का हस्ताक्षर

[illegible]

എന്നതിലുള്ളവ
ജി കൃഷ്ണൻ & സുന്ദർ

2100

உருவாக்கப் பட்டிருக்கிறது.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

Смт смт смт

2100

2

[Handwritten signature]

Figure 1

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

जगदीश्वर / १८८९ - १९००

for - 50101

(५) ११ खगोली

[illegible]

۱۲۲۱

(५) ३३ फागुन

[illegible]

[illegible]

धातुस्य मीन्द्र-रश्मेषु क्रियते, वायुनाम् । २२५ ?

१	२०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११	१०४	११
---	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----

साहित्य मन्दिर-ग्रंथ सिद्धिद्वय, गान्धनर । १२५ ।

[illegible]

राजस्व अभिलेखागार-अन्धेडकरनागर
दिनांक.....